राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह

छात्र–छात्राएं मौलिक कर्तव्यों को जानें, समझें और व्यवहार में लाएं

– राज्यपाल

–

जयपुर, 18 दिसम्बर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने कहा है कि शिक्षा को रोजगारपरक बनाया जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में छात्र–छात्राओं का डाटा तैयार कराया जाएगा। उस डाटा के आधार पर छात्र–छात्राओं को रोजगार में समायोजन के लिए योजनाबद्ध रूप से विश्वविद्यालय कार्य शुरू करेंगे। राज्यपाल ने कहा कि छात्र–छात्राएं मौलिक कर्तव्यों को जाने, समझे और उन्हें व्यवहार में लाये।

राज्यपाल श्री मिश्र बुधवार को अलवर के राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने छात्र छात्राओं को स्वर्ण पदक और उपाधियां प्रदान की।

राज्यपाल ने कहा विश्वविद्यालयों को शोध को बढ़ावा दिए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अनुसंधान से अनेक क्षेत्रों में नए अवसर सामने आते हैं। राज्यपाल ने कहा कि उच्च शिक्षा के नए सोपानों को विश्वविद्यालयों को अपनाना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि युवा को राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होती है। उन्होंने कहा कि युवाओं को मौलिक कर्तव्यों के बारे में ज्ञान जरुर होना चाहिए। इसके लिए उन्होंने विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोहों में छात्र–छात्राओं को मौलिक कर्तव्य और संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराना शुरू कराया है। राज्यपाल ने स्वर्ण पदक प्राप्त करने में बेटियों की संख्या अधिक होने पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि बेटियां समाज व परिवार की मणि होती है। बेटियों के आगे बढ़ने से दो परिवार की उन्नति होती है। राज्यपाल ने छात्रों को अधिक मेहनत करने के लिए कहा।

समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री श्री भंवर सिंह भाटी ने कहा कि उपाधियां मेहनत का सार्थक प्रतिफल है। छात्र–छात्राओं को यह पल जिंदगी भर याद रहेंगे। श्री भाटी ने बताया कि राज्य सरकार उच्च शिक्षा के विस्तार के लिए निरंतर प्रयासरत है। तहसील स्तर पर 50 महाविद्यालय शुरू कर दिए गए हैं। अलवर जिले की तीन तहसीलों में भी महाविद्यालय खोले गये है। विशविद्यालय के कुलपति श्री अश्वनी कुमार बंसल ने स्वागत उद्‌बोधन किया।

———

डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा
सहायक निदेशक (जनसम्पर्क), राज्यपाल